भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3426

23 मार्च, 2022 को उत्तर के लिए

इस्पात उत्पादन में गिरावट

3426. श्री कल्याण बनर्जी:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को ऑटोमोबाइल और भू-सम्पदा क्षेत्र में कम माँग के कारण गत तीन वर्षों के दौरान इस्पात उत्पादन में अत्यधिक गिरावट आयी है;

(ख) यदि हाँ, तो गत पाँच वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान इस्पात के कुल उत्पादन का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार यह मानती है कि इस्पात उत्पादन में गिरावट का पूर्ण या आंशिक कारण अर्थव्यवस्था में आयी मंदी है; और

(घ) यदि हाँ, तो ऑटोमोबाइल और भू-सम्पदा क्षेत्र में माँग को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए/उठाए जा रहे हैं और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह)

(क) से (घ): वित्तीय वर्ष 21 के आरंभिक महीनों के दौरान मुख्यत: कोविड-19 महामारी से हुए व्यवधानों के कारण इस्पात के उत्पादन में कमी आई थी। तथापि, इसके बाद उत्पादन में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है और तब से मासिक उत्पादन कोविड-पूर्व स्तर पर पहुंच गया है। वर्ष 2021-22 में इस्पात उत्पादन सबसे अधिक होने की उम्मीद है। विगत पाँच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान भारत में तैयार इस्पात के उत्पादन का ब्यौरा निम्नानुसार है:

वर्ष	**तैयार इस्पात उत्पादन (मिलियन टन में)**
2016-17	91.54
2017-18	95.01
2018-19	101.29
2019-20	102.62
2020-21	96.20
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी)	

सरकार ने प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना, राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी), सभी के लिए आवास, जल जीवन मिशन, भारतमाला परियोजना, सागरमाला परियोजना, डेडीकेटेड फ्रेट कोरिडोर का निर्माण और **उड़ान** आदि जैसी परियोजनाओं के माध्यम से अवसंरचना के विकास पर विशेष जोर दिया है। मंत्रालय इस्पात के उपयोग को बढ़ावा देने और निर्माण/अवसंरचना एवं ऑटोमोबाइल क्षेत्र में माँग में वृद्धि लाने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि आवास एवं निर्माण, अवसंरचना, शहरी विकास, रेलवे, रक्षा, तेल एवं गैस, नागर विमानन, ग्रामीण विकास, कृषि, दुग्ध और खाद्य प्रसंस्करण आदि के हितधारकों को भी शामिल करता रहा है।

****